निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त) : (क) से (ख). मकान जीर्णदशा में नहीं हैं बल्कि रहने योग्य हैं । फिर भी यह सत्य है कि पुराने होने के कारण इन की थोड़े थोड़े समय से भारी मरम्मत की आवश्यकता पड़ती है । चूंकि व्यय बिल्डिंग के आधार पर निर्धारित नहीं किया जाता लेकिन यह सभी संसद सदस्यों के आवासों के लिए निर्धारित किया जाता है और इन का रख-रखाव एक पूछताछ कार्यालय द्वारा किया जाता है, वांछित अवधि के दौरान इन भवनों के अनुरक्षण पर हुए व्यय के बारे में बताना संभव नहीं है ।

(ग) इन मकानों के निर्माण के समय सन् 1920–25 में सीलन रोधक व्यवस्था नहीं की गई थी इसलिए इन मकानों में बहुत सीलन है । तथापि, ये बंगले बहुत पुराने हो गये हैं और इन्हें गिराने और पुनर्विकास के लिए निर्दिष्ट किया गया है, इस लिए इनमें इस स्थिति में सीलन रोधक बनाना किफायती नहीं होगा ।

आंगनबाड़ी परियोजना

868. **श्री राम कंवर बैरवा** : क्या **शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार द्वारा राजस्थान में आरम्भ की गई आंगनबाड़ी परियोजना के मुख्य लक्ष्य तथा उद्देश्य और उनकी मुख्य बातें क्या हैं ;

(ख) राजस्थान के किन स्थानों पर यह परियोजना केन्द्रीय सरकार की सहायता से चलाई जा रही है ;

(ग) क्या सरकार का ध्यान समाचार पत्रों में प्रकाशित इन समाचारों की ओर दिला या गया है कि बांसवाड़ा जिले में गढ़ी पंचायत समिति में काम करने वाली लड़कियों के साथ ठीक व्यवहार नहीं किया जाता है और उन्हें समय पर पूरा वेतन नहीं मिलता है; और

(घ) सरकार इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही कर रही है ।

शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र) : (क) समेकित बाल विकास सेवा योजना, आंगनवाड़ी जिसका एक भाग है, का उद्देश्य 0-6 वर्ष तक के आयु वर्ग के बच्चों तथा गर्भवती और दूध पिलाने वाली माताओं तथा 15 से 44 वर्ष तक के आयु वर्ग की स्त्रियों को पोषाहार स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधाएं समेकित रूप में प्रदान करना है । इस योजना के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:—

(1) 0-6 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों के पोषाहार और स्वास्थ्य की स्थिति को सुधारना;

(2) बच्चों के ठीक मनोवैज्ञानिक, शारीरिक और सामाजिक विकास के लिए बुनियाद रखना;

(3) बच्चों में नृत्यता, रोगग्रस्तता, कुपोषण को कम करना तथा स्कूल की पढ़ाई के बीच में ही छोड़ जाने वाले बच्चों की संख्या में कमी करना;

(4) बाल विकास को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विभागों में नीति और कार्यान्वयन का कारगर समन्वय प्राप्त करना; तथा

(5) ठीक पोषाहार तथा स्वास्थ्य शिक्षा के द्वारा मां की बच्चे के सामान्य स्वास्थ्य और पोषाहार सम्बन्धी आवश्यकताओं की देखरेख करने की योग्यता को बढ़ाना ।

इस योजना को 1975–76 में देश के 33 खण्डों में प्रयोगात्मक आधार पर शुरु किया गया था ।

(ख) राजस्थान में आंगनबाड़ी, जिला बांसवाड़ा में एक ऐसी परियोजना चल रही है ।

(ग) राजस्थान सरकार को कुछ शिकायतें मिली हैं ।

(घ) राज्य सरकार इन शिकायतों की जांच कर रही है तथा उचित कार्रवाई करेगी ।

Fixation of Price of Ranjit Nagar Tenements, New Delhi

869. SHRI MAHI LAL: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to refer to the reply given to USQ 3133, dated 11th July, 1977 and Unstarred Question No. 2608 dated 5th December, 1977 and state:

(a) the method adopted for calculating and fixing the price of tenements of Phase I of Ranjit Nagar, New Delhi, which were constructed in 1976-77;

(b) the reasons for not so far fixing the price of remaining slum tenements of Ranjit Nagar which were constructed in 1971-72; and

(c) the time by which the price of remaining slum tenements at Ranjit Nagar will be fixed at 'no profit no loss' basis?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): (a) Total expenditure incurred on building work, development work such as water supply, sewerage lines, roads, paths, parks, electrification etc. and cost of land has been divided by the number of tenements.

(b) and (c). The price could not be fixed as the accounts have not been closed. The accounts are expected to be finalised shortly.

दक्षिण भारत में विकलांगों के लिए खुला गांव

870. श्री नाथाराम सिंह चौहान: क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नीदरलैंड के डा० हैरोल्ड कार्निलस बाश ने दक्षिण भारत में विकलांगों के लिए खुला गांव स्थापित करने पर होने वाले व्यय को वहन करने का वचन दिया है; और

(ख) यदि हां, तो यह गांव कहां स्थापित होगा तथा इस योजना की मुख्य बातें क्या हैं तथा यह कब तक पूरी हो जाएंगी ।

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र) : (क) ऐसा कोई प्रस्ताव समाज कल्याण विभाग को प्राप्त नहीं हुआ है ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

Availability of Sugar after removal of restrictions on its Movement

872. SHRI DHARAMAVIR VASISHT: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) the improvement in the availability of sugar in the country as a result of the removal of restrictions on the movement of the commodity; and

(b) whether Government have under consideration decontrolling sugar; if not, the reasons for the same?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) The removal of the restrictions on the inter-State movement of free sale sugar on trade account is intended to lead to easy flow of sugar from important commercial centres to pockets where